

Publication	Hindustan
Edition	Meerut
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	05
Date	04 th February 2019

हिन्दुस्तान

रियल एस्टेट का ठहराव टूटेगा, इंडस्ट्री में भी आएगा बूम, दिल्ली का बोझ होगा कम

रैपिड-मेट्रो लाएंगी मेरठ में बड़ा निवेश

करोड़ों का होगा निवेश

मेरठ | मुख्य संवाददाता

रैपिड रेल और मेट्रो जैसे प्रोजेक्ट अगर समय पर ग्राउंड पर आए तो मेरठ की सूरत ही बदल देंगे। मेरठ से दिल्ली तक का सफर 55 मिनट में तय हो जाएगा तो शहर विस्तार लेगा। बीते साल ही मेरठ विकास प्राधिकरण के सीमा क्षेत्र में 124 गांव और छह कस्बे शामिल किए गए हैं। इन्हें शामिल करते हुए मेरठ महायोजना 2031 तैयार की जाएगी। ऐसे में रफ्तार को लेकर प्लान हुए यह प्रोजेक्ट मेरठ में हजारों करोड़ के निवेश भी लाएंगे।

रैपिड रेल आबादी के बोझ से दबी जा रही दिल्ली को बड़ी राहत देगी। साथ ही मेरठ शहर के विस्तार में बड़ी भूमिका निभाएगी। रोज दिल्ली अपडाउन आसान होगा। भविष्य की

55 मिनट में मेरठ से दिल्ली का सफर होने से शहर को मिलेगा विस्तार

124 मेरठ के गांवों को शामिल करते हुए बनेगी महायोजना 2031



संभानाओं को देखते एमडीए के सीमा क्षेत्र का विस्तार सरधना, मवाना, दौराला, हस्तिनापुर और खरखौदा के साथ 124 गांवों तक हो गया है। शहर में जमीन की बड़ी उपलब्धता को देखते हुए यहां निजी निवेशक भी पूंजी विस्तार के लिए आ सकेंगे।

एनसीआर में इस समय जाम बड़ी समस्या है और यह आर्थिक रूप से भी बेहद नुकसानदायक है और पर्यावरण के लिहाज से भी। एनसीआर में 58 हजार वर्ग किलोमीटर में करीब 46 मिलियन लोग रहते हैं। एनसीआर की 39 प्रतिशत आबादी दिल्ली में रहती है,

एनसीआरटीसी में 8 कोरिडोर

पहला चरण :

- मेरठ-गाजियाबाद-दिल्ली कॉरिडोर
- दिल्ली-गुडगांव-रेवाड़ी अलवर
- दिल्ली-सोनीपत-पानीपत

दूसरा चरण :

- दिल्ली-फरीदाबाद-बल्लभगढ़-पलवल
- गाजियाबाद-खुर्जा
- दिल्ली-बल्लभगढ़-रोहतक
- गाजियाबाद-हापुड़
- दिल्ली-शाहदरा-बडौत

जो क्षेत्रफल में पूरे एनसीआर का महज तीन फीसदी है। देश के जीडीपी में एनसीआर की हिस्सेदारी सात फीसदी है। ऐसे में दिल्ली पर आबादी का दबाव कम करने और पूरे एनसीआर को करीब लगाने में रैपिड रेल अहम भूमिका निभाएगी। रैपिड रेल जहां समय,

पर्यावरण और धन बचाएगी, वहीं आर्थिक तौर पर बड़े बदलाव लाएगी।

रैपिड-मेट्रो-रेल, बस-हवाई जहाज सब एक ही जगह : एनसीआर में रैपिड रेल का नेटवर्क सभी प्रमुख एयरपोर्ट, प्रमुख आईएसबीटी और मेट्रो के स्टेशनों से लिंक होगा।

कश्मीरी गेट, सराय काले खां, आनंद विहार, एयरपोर्ट, इफको चौक, मोहननगर बड़े इंटरचेंज प्वाइंट होंगे। यहां से यात्री मेट्रो, बस और भारतीय रेल से सीधे जुड़ेंगे। रैपिड रेल से दिल्ली के तीन बस टर्मिनल और हवाई अड्डा जुड़ेगा। सराय काले खां के साथ आनंदविहार और कश्मीरी गेट बस अड्डा रैपिड रेल से सीधे जुड़ेगा। कश्मीरी गेट पर मेट्रो और बस अड्डे को रैपिड रेल नेटवर्क से जोड़ने की तैयारी हो रही है। यात्रियों को इंटरचेंज स्टेशनों पर ज्यादा सुविधा देने के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) को कंसल्टेंट बनाया गया है।